तापमान
अधिकतम 42 .3 डिग्री
न्यूनतम 19 .9 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार 20 अप्रैल 2026

शहर में आज

- जिला प्रशासन समाधान शिविर में सुनी जाएगी समस्याएं।
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर
- रोडवेज डिपो में कर्मचारी यूनियन की मीटिंग।

मुख्यमंत्री सैनी ने पार्टी कार्यालय में की पत्रकार वार्ता

परिसीमन से किसी राज्य को नुकसान नहीं, विपक्ष फैला रहा भ्रमः सीएम

मंडियों में फसल खरीद को लेकर पूरे इंतजाम, किसानों को नहीं आने दी जाएगी परेशानी

देश में लोकसभा सीटें बढ़कर 850 तक हो सकती हैं, सभी राज्यों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर परिसीमन को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। रविवार को भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि विपक्ष ने जानबूझकर यह प्रचार किया कि परिसीमन से कुछ राज्यों को नुकसान होगा, जबकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह संसद में स्पष्ट कर चुके हैं कि किसी भी राज्य का प्रतिनिधित्व कम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में सीटों की समान रूप से वृद्धि का प्रस्ताव है, जिससे संतुलन बना रहेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 1971 में जब देश की आबादी लगभग 54 करोड़ थी, तब लोकसभा की 550 सीटें निर्धारित की गई थीं। आज जनसंख्या 140 करोड़ के करीब पहुंच चुकी है, इसलिए प्रतिनिधित्व को बेहतर बनाने के लिए सीटों की संख्या बढ़ाकर लगभग 850 करने की आवश्यकता है। विपक्ष ने यह भी भ्रम फैलाया कि दक्षिण भारत को नुकसान होगा, जबकि प्रस्तावित मॉडल में सभी राज्यों की सीटों में लगभग 50 प्रतिशत वृद्धि की बात की गई थी।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी साथ में प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली व दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत। फोटो : हरिभूमि

महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप

दक्षिण भारतीय राज्यों की हिस्सेदारी 23.76 प्रतिशत से बढ़कर 23.87 प्रतिशत हो सकती है। तमिलनाडु की सीटें 39 से बढ़कर 59 और कर्नाटक की 28 से बढ़कर 42 होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यह किसी का हक छीनने का नहीं, बल्कि सभी का प्रतिनिधित्व बढ़ाने का प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, टीएमसी और डीएमके पर महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष का उद्देश्य महिलाओं को अधिकार देना नहीं, बल्कि मुद्दों को भटकाना है। उन्होंने यह भी कहा कि धर्म आधारित आरक्षण की मांग असंवैधानिक है और संविधान इसकी अनुमति नहीं देता। कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मामलों में स्पष्ट रुख नहीं अपनाया। तीन तलाक कानून, अनुच्छेद 370 हटाने, समान नागरिक संहिता और नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों पर भी विपक्ष ने केवल विरोध किया।

किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होने दी जाएगी

इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंडियों में फसल उठान को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी आवश्यक प्रबंध किए हैं और किसानों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होने दी जाएगी। हालांकि फसल आगमन का समय सीमित होने के कारण दबाव बढ़ता है, फिर भी प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रदेशअध्यक्ष मोहनलाल बडौली, मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक छाबड़ा, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर खरक, भाजपा जिला अध्यक्ष एडवोकेट रणवीर सिंह ढाका, प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, प्रदेश सचिव रेणु डाबला, दीपक हुड्डा, राजकुमार कपूर, हरिओम भाली, तरुण सन्नी शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

नायब सिंह सैनी ने मस्तनाथ नगर में सुनीं जन समस्याएं

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दौरे के दौरान एक दिलचस्प और सराहनीय दृश्य देखने को मिला, जब उनका काफिला बाबा मस्तनाथ नगर के पास से गुजर रहा था। इस दौरान स्थानीय निवासियों और आरडब्ल्यूए कमेटी ने पहले से योजना बनाकर गली नंबर 11 के पास मुख्यमंत्री से मिलने का इंतजाम किया। जैसे ही मुख्यमंत्री का काफिला वहां पहुंचा, निवासियों ने दूर से "राम-राम"कहकर अभिवादन किया। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत काफिला रुकवाया और खुद गाड़ी से उतरकर लोगों के बीच पहुंचे। उन्होंने स्थानीय निवासियों का हालचाल जाना और उनकी समस्याएं सुनीं। आरडब्ल्यूए प्रधान सोमबीर नैन ने मुख्यमंत्री के सामने दो प्रमुख समस्याएं रखीं, जिनमें क्षेत्र में सीवरेज लाइन बिछाने और बिजली कनेक्शन पर 114 रुपये प्रति वर्ग गज के सरचार्ज को हटाने की मांग शामिल थी। मुख्यमंत्री ने मौके पर ही उपायुक्त (डीसी) रोहतक को बुलाकर जानकारी ली। डीसी ने बताया कि सीवरेज लाइन का एस्टीमेट पहले ही पास हो चुका है, जबकि बिजली सरचार्ज हटाने का मामला चंडीगढ़ भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने दोनों समस्याओं के जल्द समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान नगरवासियों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया और आभार व्यक्त किया।

खबर संक्षेप

डीएलएफ कॉलोनी में मकान से टोटी चोरी

रोहतक। डीएलएफ कॉलोनी में एक मकान से टोटी चोरी कर ली गई। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। आर्य नगर थाना पुलिस को दी शिकायत में भारत गिरधर ने कहा कि उनके मकान में घुसे चोर ने स्टेशनरी का सामान और 19 टोटी चोरी की है। घटना के समय वह बाहर गया हुआ था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है।

किसान के साथ 98 हजार की ऑनलाइन ठगी

महम। लाखन माजरा थाना क्षेत्र के गांव नांदल में एक किसान ऑनलाइन ठगी का शिकार हो गया। पीड़ित अजय ने पुलिस को बताया कि उसे खेत की बाड़ के लिए चेन लिंक जाली खरीदनी थी। इसके लिए उसने इंडिया मार्ट साइट खोली, जहां से उसे एक कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को सोमानी वायरनेटिंग इंडस्ट्री से बताया और कैटलॉग व जीएसटी नंबर भेजकर भरोसा जीत लिया। आरोपी ने 1 लाख 34 हजार 400 रुपये का बिल भेजा, जिस पर अजय ने पिता के खाते से 98 हजार 800 रुपए ट्रांसफर कर दिए। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई और पैसे वापस दिलाने की मांग की है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

महम मंडी में 5.42 लाख क्विंटल गेहूं की आवक

महम। महम अनाज मंडी में रविवार 19 अप्रैल तक 5 लाख 42 हजार 804 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। लेकिन अब तक मात्र 1 लाख 10 हजार 463 क्विंटल गेहूं की ही लिफ्टिंग हुई है। 3 लाख 90 हजार 653 क्विंटल गेहूं खरीदा जा चुका है।

अग्निशमन मुश्किल : 12 साल से नहीं खरीदी कोई दमकल, सिर्फ नाम की 11 गाड़ियां

कंडम गाड़ियों और 88 कर्मचारियों की ब्रिगेड के भरोसे 12 लाख की आबादी

1. विभाग के पास ऑक्सीजन सिलेंडर, हेल्मेट, फायर सूट, मास्क और वर्दी तक नहीं
2. सादे कपड़ों में जान जोखिम में डालकर काम करने को मजबूर हैं दमकल कर्मचारी
3. एक साथ कई जगह लग रही आग, कोई बड़ा अग्निकांड हुआ तो कैसे निपटेगा विभाग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

शहर की फायर ब्रिगेड व्यवस्था गंभीर संसाधन संकट से जूझ रही है। आग जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए जहां आधुनिक उपकरणों और पर्याप्त कर्मचारियों की जरूरत होती है, वहीं यहां की स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत नजर आती है। कंडम होती जा रही गाड़ियों और संसाधनों के भारी अभाव के बीच फायर ब्रिगेड कर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर काम करने को मजबूर हैं।

हरिभूमि विशेष

फायर ब्रिगेड विभाग के पास वर्तमान में कुल 11 गाड़ियां हैं, जिनमें से अधिकांश की हालत खराब हो चुकी है। कई गाड़ियों को मरम्मत की जरुरत है। सूत्रों के मुताबिक, विभाग में 2013-14 के बाद से एक भी नई गाड़ी शामिल नहीं की गई है। कई गाड़ियों की उम्र पूरी हो चुकी है और कुछ का उपयोग अवधि भी एक से डेढ़ साल ही बचा है। ऐसे में इन पुराने वाहनों के सहारे बड़े अग्निकांड से निपटना किसी चुनौती से कम नहीं है।

कर्मचारियों की संख्या सीमित

कर्मचारियों ने बताया कि एक फायर ब्रिगेड गाड़ी को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कम से कम सात कर्मचारियों की आवश्यकता होती है, लेकिन विभाग में कर्मचारियों की संख्या भी बेहद सीमित है। जिले की आबादी करीब 12 लाख हो चुकी है। ऐसे में दमकल केंद्र में कुल 88 कर्मचारी ही पूरे क्षेत्र की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

जान से खिलवाड़

सिर्फ गाड़ियों की ही नहीं, बल्कि सुरक्षा उपकरणों की भी भारी कमी है। फायर ब्रिगेड कर्मियों के पास पर्याप्त मास्क, ऑक्सीजन सिलेंडर, हेल्मेट और फायर सूट उपलब्ध नहीं हैं। कई बार कर्मचारियों को साधारण कपड़ों में ही आग बुझाने के लिए जाना पड़ता है, जो बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। आग की तेज लपटों और धुएं के बीच बिना उचित सुरक्षा उपकरणों के काम करना उनकी जान के साथ सीधा खिलवाड़ है।

नई गाड़ियां उपलब्ध कराने की मांग

कर्मचारियों ने सरकार से मांग की है कि जल्द से जल्द नई गाड़ियां उपलब्ध कराई जाएं और आवश्यक सुरक्षा उपकरणों की व्यवस्था की जाए। साथ ही कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ाई जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। अगर समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो भविष्य में यह लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

कर्मचारियों को सुरक्षा से करना पड़ रहा समझौता

कर्मचारियों का कहना है कि कई बार उन्हें अपनी सुरक्षा से समझौता कर काम करना पड़ता है। उनके द्वारा ड्यूटी पर पहने जा रहे सादे कपड़े आग के संपर्क में आते ही जल सकते हैं, जिससे गंभीर हादसों की आशंका बनी रहती है। बावजूद इसके, वे अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी से निभा रहे हैं। शहर की बढ़ती आबादी और ऊंची इमारतों के दौर में आग लगने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। ऐसे में फायर ब्रिगेड विभाग का मजबूत होना बेहद जरूरी है। लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए यह सवाल उठना लाजिमी है कि अगर कोई बड़ा अग्निकांड होता है, तो उससे निपटने के लिए विभाग के पास पर्याप्त इंतजाम कैसे होंगे।

इधर: 10 जगह लगी आग

पीएनजी लीकेज से हड़कंप

रोहतक। रविवार को जिले में अलग-अलग स्थानों पर आग लगने की करीब 10 घटनाएं सामने आईं। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन दिनभर फायर ब्रिगेड की टीमें एक स्थान से दूसरे स्थान तक दौड़ती रहीं। बखेता, मालौठ, बोहर और सोनीपत रोड स्थित क्षेत्रों में सूखी घास व फांस में आग लगी, जबकि ब्राह्मणवास में गेहूं की फसल को नुकसान पहुंचा। वहीं, मानसरोवर पार्क के पास दोपहर करीब 1:54 बजे पीएनजी गैस लीक होने की सूचना से हड़कंप मच गया। दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। अधिकारियों ने कहा कि गर्मी में आग की घटनाएं बढ़ती हैं, इसलिए लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।

निंदाना में आग का तांडव: 8.5 एकड़ गेहूं व 80 एकड़ फाने जले

महम। महम क्षेत्र में रविवार को आगजनी की कई घटनाओं ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। बैंसी-भराण रोड स्थित निंदाना गांव के खेतों में अज्ञात कारणों से आग लग गई, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की चपेट में आकर किसान पाला राम की 6 एकड़, राजेश की 1 एकड़ और रामनिवास की डेढ़ एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। इसके अलावा करीब 80 एकड़ गेहूं के फाने भी जल गए। दमकल विभाग और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।इसी दिन अशोक नगर कॉलोनी के पास भी डेढ़ एकड़ फाने में आग लग गई, जिसे समय रहते बुझा लिया गया। दिनभर दमकल की गाड़ियां एक स्थान से दूसरे स्थान पर दौड़ती रहीं।वहीं, महम दमकल केंद्र के 13 कच्चे कर्मचारी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं, जिससे संसाधनों पर दबाव बढ़ गया है।

रोहतक। जांच करते पुलिस व एसएफएल टीम की प्रमुख डॉ .सरोज दहिया।

गैराज में मिला मैकेनिक का शव, हत्या का आरोप

- चारपाई पर मिला शव, मुंह और नाक से बह रहा था खून
- परिवार का आरोप-मारपीट कर की गई हत्या, हादसा दिखाने की कोशिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जींद रोड के पास स्थित रैनकपुरा कॉलोनी में रविवार को एक गैराज में युवक का शव संदिग्ध हालात में चारपाई पर मिला। लोगों ने शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए पीजीआईएमएस भेज दिया। परिवार ने युवक की हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि मुंह पर चोट मारकर युवक की हत्या की गई है। मृतक की पहचान करीब 35 वर्षीय यशपाल पुत्र ओमवीर सैनी निवासी गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। यशपाल गैराज पर गाड़ी मैकेनिक के तौर पर काम करता था। देर रात को यशपाल गैराज में ही काम कर रहा था, जिसे सुबह चारपाई पर संदिग्ध हालत में शव पड़ा मिला। यशपाल के परिजनों का कहना है कि हत्या करके शव को चारपाई पर डाला गया है। यशपाल के मुंह व नाक से खून निकल रहा था। यशपाल के साथ पहले मारपीट की गई है, जिसके बाद शव को चारपाई पर डालकर इसे हादसा बनाने का प्रयास किया जा रहा है। परिवार ने बताया कि यशपाल की शादी हो चुकी है और उसके पास एक बच्चा है। गैराज मालिक से भी जानकारी जुटाई है।

मौत के कारणों का पता नहीं चला

रैनकपुरा में एक युवक का शव चारपाई पर पड़ा होने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की। मृतक की पहचान यशपाल के रूप में हुई। मौत के असर कारणों का पता पोस्टमॉर्टम के बाद ही चलेगा।

-रमेश कुमार, सिटी थाना प्रभारी

तनाव हर माह 10 तारीख तक खातों में आ जाता था वेतन, इस बार अभी तक नहीं मिला

वेतन अटका, जीवन पटरी से उतरा, एमडीयू में एचकेआरएन के 1500 कर्मियों की मुश्किलें बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत कार्यरत करीब 1500 कर्मचारियों को मार्च का वेतन आज 19 अप्रैल तक नहीं मिल पाया था। आमतौर पर हर महीने की 10 तारीख तक वेतन उनके खातों में आ जाया करता था, लेकिन इस बार तारीखें गुजरती रहीं और खाते खाली ही रहे। इस देरी ने कर्मचारियों के दैनिक जीवन को गहरे संकट में धकेल दिया है। वेतन न मिलने का असर सीधे कर्मचारियों के घरों तक दिखाई दे रहा है। किसी को अपने बच्चों की स्कूल फीस भरनी है, तो किसी के सामने किराने वाले का उधार चुकाने की चिंता खड़ी है। कई कर्मचारी ऐसे भी हैं जिनकी ईएमआई की तारीख निकल चुकी है, जिससे उन पर अतिरिक्त जुर्माने का बोझ बढ़ रहा है। वेतन में यह देरी केवल आर्थिक नहीं, बल्कि मानसिक तनाव का भी कारण बन रही है।

किसी की किस्त तो किसी का किराया पेंडिंग

एक कर्मचारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हर महीने वेतन समय पर मिल जाता था, इसलिए घर का पूरा बजट उसी हिसाब से चलता था। इस बार अचानक से देरी हो गई है, जिससे परिवार की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। स्थिति को और जटिल बनाता है कर्मचारियों का रोजगार स्वरूप। चूंकि ये सभी कर्मचारी हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से नियुक्त हैं और उनकी नौकरी अभी तक नियमित नहीं हुई है, इसलिए वे खुलकर विरोध भी नहीं कर पा रहे हैं। कर्मचारियों में यह डर बना हुआ है कि यदि वे आवाज उठाते हैं तो उनकी नौकरी पर संकट आ सकता है। यानी हालात कुछ ऐसे हैं जैसे वे दीवार और लाठी के बीच फंस गए हों। एक तरफ आर्थिक जरूरतों का दबाव और दूसरी तरफ नौकरी जाने का भय। इस वजह से कर्मचारियों की नाराजगी भीतर ही भीतर सुलग रही है, लेकिन वह खुलकर सामने नहीं आ पा रही।

समस्या का समाधान निकालना चाहिए

कई कर्मचारियों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन और संबंधित विभागों को इस समस्या का तुरंत समाधान निकालना चाहिए। उनका मानना है कि वेतन जैसी बुनियादी जरूरत में देरी न केवल कर्मचारियों के मनोबल को गिराती है, बल्कि कार्यक्षमता पर भी असर डालती है। ध्यान रहे कि अस्थायी और आउटसोर्सिंग आधारित रोजगार व्यवस्थाओं में इस तरह की समस्याएं अक्सर सामने आती हैं। कर्मचारियों के पास न तो स्थायी सुरक्षा होती है और न ही वे अपने अधिकारों के लिए मजबूती से आवाज उठा पाते हैं। ऐसे में समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करना नियोक्ता की प्राथमिक जिम्मेदारी बन जाती है।

रोजगार अभी स्थायी नहीं

कौशल रोजगार निगम के कर्मचारी जानते हैं कि उनका रोजगार अभी स्थायी नहीं है, इसलिए विरोध का हर कदम उनके लिए जोखिम से भरा है। नतीजा यह है कि ये कर्मचारी चुप्पी की चादर ओढ़े रहते हैं, भले ही भीतर चिंता का शोर लगातार गूंजता रहे। समय पर वेतन न मिलना उनके लिए केवल देरी नहीं, बल्कि हर महीने लौट आने वाली एक अनिश्चितता है, जिसमें सबसे बड़ा डर यही रहता है कि कहीं आवाज उठाने की कीमत नौकरी न बन जाए। फिलहाल, 1500 परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी इसी उम्मीद के सहारे चल रही है कि उनकी मेहनत की कमाई उन्हें जल्द मिल सकेगी।

हर दो-तीन महीने में ऐसा ठहराव आ जाता

सरकार की ओर से बार-बार यह स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के तहत कार्यरत कर्मचारियों को हर महीने की 10 तारीख तक वेतन हर हाल में मिल जाना चाहिए। कागजों पर यह व्यवस्था घड़ी की सुई जैसी सटीक दिखती है, लेकिन जमीनी हकीकत खासकर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में कुछ और ही कहानी बयां करती है। यहां हर दो-तीन महीने में ऐसा ठहराव आ जाता है, जब वेतन तय समयसीमा से फिसलकर अनिश्चितता के कोहरे में खो जाता है। स्थिति की विडंबना देखिए कि यदि नियमित कर्मचारियों के वेतन में एक दिन की भी देरी हो जाए, तो आवाजें तुरंत बुलंद हो जाती हैं और सिस्टम हरकत में आ जाता है। लेकिन कौशल रोजगार के तहत काम करने वाले कर्मचारी मानो धीमी आवाज में चलती एक लंबी प्रतीक्षा हैं।

दिल्ली-रोहतक, जींद व नरवाना रूट की कई ट्रेनें रद्द, यात्री होंगे परेशान

- दिल्ली किशनगंज स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते 5 से 14 मई तक प्रभावित रहेगी रेल सेवाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

दिल्ली डिवीजन के अंतर्गत दिल्ली किशनगंज स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग और नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग पैनल के कार्य के चलते दिल्ली से रोहतक, जींद और नरवाना रूट पर चलने वाली कई ट्रेनों को अस्थायी रूप से रद्द कर दिया गया है। इस निर्णय से इन रूटों पर रोजाना यात्रा करने वाले हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। रेलवे द्वारा जारी पत्र में 14323 नई दिल्ली-रोहतक जंक्शन और 14324 रोहतक जंक्शन-नई दिल्ली ट्रेनें 5 मई से 13 मई 2026 तक पूरी तरह रद्द रहेंगी। यह ट्रेनें दैनिक यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं, ऐसे में इनके रद्द होने से सबसे अधिक असर ऑफिस जाने वाले यात्रियों और छात्रों पर पड़ेगा। इसी तरह 54031 दिल्ली जंक्शन-जींद ट्रेन 5 मई से 14 मई तक तथा 54032 जींद- दिल्ली जंक्शन 5 मई से 13 मई तक रद्द रहेगी। इसके अलावा 54033 दिल्ली जंक्शन-नरवाना जंक्शन ट्रेन 10, 11 और 12 मई को रद्द रहेगी। वहीं 54034 जींद-दिल्ली जंक्शन ट्रेन भी 4 मई से 13 मई तक रद्द कर दी गई है।

जींद रूट पर चलने वाली मेमू सेवाएं भी प्रभावित

इनके अलावा जींद रूट पर चलने वाली मेमू सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। 64912 जींद-नई दिल्ली ट्रेन 5 मई से 13 मई तक शकूरबस्ती तक ही सीमित रहेगी, जबकि 64915 नई दिल्ली-जींद ट्रेन इसी अवधि में शकूरबस्ती से ही शुरू होगी। साथ ही 64931 दिल्ली जंक्शन-जींद और 64932 जींद- दिल्ली जंक्शन ट्रेनें 11 और 12 मई को आंशिक रूप से संचालित होंगी। रेलवे के इस फैसले का सीधा असर उन यात्रियों पर पड़ेगा जो रोजाना दिल्ली, रोहतक और जींद के बीच सफर करते हैं। वैकल्पिक साधनों की कमी और अचानक ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को अतिरिक्त खर्च और समय दोनों का नुकसान उठाना पड़ेगा।

जाट महासभा के सभी 7 एजेंडों पर मुहर, समाज सेवा का बढ़ा दायरा

बेटियों की पढ़ाई से लेकर ठहरने तक कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए

- महापुरुषों के कार्यक्रमों पर नहीं लगेगा किराया, महासभा की आर्थिक स्थिति हुई मजबूत
- वर्तमान कार्यकारिणी ने जाट भवन के बकाया में बड़ी राहत दिलाई
- बेटियों के लिए पढ़ाई व लाइब्रेरी का खर्च उठाएगी महासभा

अमरजीत एस.गिल ▶▶| रोहतक

जाट भवन में रविवार को हुई जाट महासभा की आमसभा किसी साधारण बैठक की तरह नहीं, बल्कि सामाजिक संकल्पों के उत्सव की तरह नजर आई। मंच पर प्रस्ताव थे, लेकिन पीछे बैठी भीड़ में उम्मीदें थीं और हर निर्णय के साथ तालियों की आवाज मानो समाज के भीतर उठती नई ऊर्जा का संकेत दे रही थी। प्रधान जयवीर ढुल की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में महासभा ने सर्वसम्मति से सात प्रमुख एजेंडों को मंजूरी दी, जिनमें सबसे महत्वपूर्ण फैसला जरूरतमंद बेटियों की पढ़ाई का जिम्मा उठाने का रहा। महासभा ने तय किया कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई का पूरा खर्च वहन किया जाएगा। इसमें किताबें, कॉपियां, स्कूल ड्रेस और फीस शामिल होगी। हालांकि, इसके लिए यह शर्त रखी गई है कि छात्रा सरकारी स्कूल में पढ़ती हो और स्कूल प्राचार्य उसकी जरूरतमंदी की पुष्टि करें।

70 लाख रुपये बचा बकाया

सभा में मौजूद लोगों के चेहरों पर इस फैसले के बाद संतोष साफ झलक रहा था। जैसे किसी ने शिक्षा की राह में बिछे पत्थरों को हटाने का जिम्मा अपने कंधों पर ले लिया हो। महासभा के सतवीर छिकारा ने बताया कि वर्तमान कार्यकारिणी ने सरकार से लड़कियों के लिए डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से लाइब्रेरी भी स्वीकृत करवाई है, जो आने वाले समय में छात्राओं के लिए ज्ञान का नया द्वार खोलेगी। वहीं सह सचिव डॉ. नरेंद्र गहलावत ने जानकारी दी कि जाट भवन पर सरकार का 1 करोड़ 24 लाख रुपये बकाया था, जिसे प्रयासों से घटाकर 70 लाख रुपये कराया गया। इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री के ओएसडी बड़खालसा और महासभा के खजांची महेंद्र प्रताप गुलिया को दिया गया।

पैथोलॉजी लैब को दी मंजूरी

बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी बड़ा निर्णय लिया गया। जाट भवन में स्वास्थ्य जांच केंद्र और पैथोलॉजी लैब खोलने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, जिससे स्थानीय लोगों को सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। आर्थिक स्थिति पर चर्चा करते हुए बताया गया कि जब वर्तमान कार्यकारिणी ने कार्यभार संभाला था, तब महासभा के खातों में 1 करोड़ 82 लाख रुपये थे, जो अब 31 मार्च 2026 तक बढ़कर 2 करोड़ 22 लाख 73 हजार रुपये हो चुके हैं। यह वृद्धि न केवल बेहतर प्रबंधन का संकेत है, बल्कि समाज के बढ़ते विश्वास की भी कहानी कहती है।

अभ्यार्थियों का होगा मुफ्त ठहराव

सभा में यह भी निर्णय लिया गया कि जाट समाज के महापुरुषों की स्मृति में आयोजित कार्यक्रमों के लिए कोई किराया नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए रोहतक आने वाले जरूरतमंद अभ्यर्थियों के लिए मुफ्त ठहरने की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए उन्हें परीक्षा से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। पूरी बैठक शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। यह आयोजन केवल प्रस्तावों की सूची भर नहीं था, बल्कि समाज के भीतर सहयोग, संवेदनशीलता और सामूहिक जिम्मेदारी की एक जीवंत तस्वीर बनकर सामने आया, जिसमें हर फैसला किसी न किसी जरूरतमंद के जीवन में उजाला भरने की क्षमता रखता है।

सेक्टर-1 हाउसिंग बोर्ड में हुआ श्रीश्याम अरदास जागरण

रोहतक। सेक्टर-1 हाउसिंग बोर्ड में श्रीश्याम अरदास जागरण का भव्य आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति रस में सराबोर माहौल बना दिया। पूरी रात चले इस जागरण में भक्तों ने श्रीश्याम बाबा के भजनों का आनंद लिया और अपनी आस्था प्रकट की। इस अवसर पर समाजसेवी पंकज बल्हारा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और लोगों को एकजुट करने का कार्य करते हैं। उन्होंने आयोजकों को इस सफल आयोजन के लिए बधाई भी दी। जागरण में सुरेंद्र व उनकी टीम ने भजन संध्या के माध्यम से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। "हारे का सहारा श्याम हमारा" और अन्य लोकप्रिय भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे। पूरी रात भक्तगण भक्ति में लीन रहे और वातावरण श्याम नाम की गूंज से गुंजायमान रहा। लंगर की भी व्यवस्था की गई थी, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

लखीराम अनाथ आश्रम के बच्चों को भेंट की स्कूल यूनिफॉर्म और पाठ्य-पुस्तकें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

धन-धन श्री गुरु अंगद देव के प्रकाश पर्व और बैसाखी के पावन अवसर पर मायरसा फाउंडेशन ने लखीराम अनाथ आश्रम के बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म और पाठ्य-पुस्तकें वितरित कीं। कार्यक्रम में संस्थापक सुरेंद्र सिंह सहित कई समाजसेवी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के रूप में मणिपुर से आईं समाजसेविका ओलंपिक केइशाम ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। सभी अतिथियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सुरेंद्र सिंह ने बताया कि फाउंडेशन पिछले सात वर्षों से महिलाओं और बच्चों के सशक्तिकरण के लिए कार्य कर रहा है। उन्होंने स्थानीय संगत और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

रोहतक। बच्चों के साथ मुख्य अतिथि मणिपुर से आईं समाजसेविका ओलंपिक केइशाम, मायरसा फाउंडेशन के संस्थापक सुरेंद्र सिंह व अन्य लोग। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मायरसा फाउंडेशन के संस्थापक सरदार सुरेंद्र सिंह, मणिपुर से पधारीं उद्यमी एवं समाज सेविका ओलंपिक केइशाम, सुखविंदर सिंह, महामंडलेश्वर अंधभूतानंद महाराज, सरदार मुकुंद सिंह, डॉक्टर बालकृष्णन, सरदार जसविंदर सिंह, जगदीश हंस, राहुल बजाज, रितेश सिंह, सचिन सिंह, परविंदर सिंह तथा अनाथ आश्रम का समस्त स्टाफ विशेष रूप से उपस्थित रहे।

धन-धन श्री गुरु अंगद देव के प्रकाश पर्व एवं बैसाखी के पावन अवसर पर मायरसा फाउंडेशन द्वारा लखीराम अनाथ आश्रम के बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म एवं पाठ्य-पुस्तकें भेंट की गईं।

फ्री कैंप में 48 मरीजों ने करवाई अपनी जांच

रोहतक। मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से सांघी गांव में बीपी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर पर फ्री कैंप का आयोजन किया गया। जिसके अंदर गांव और आसपास के मरीजों ने आकर अपने हड्डी और जोड़ों के दर्द की जांच करवाई। इस कैंप में गांव और आसपास से कुल 48 मरीज पहुंचे। जिन्हें घुटनों और कमर दर्द से जुड़ी समस्याएं थी। संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि सांघी गांव में हर सप्ताह फ्री कैंप का आयोजन किया जाता है। जिसके अंदर हड्डी और जोड़ों दर्द के मरीज आकर अपनी जांच करवा सकते हैं।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के खिलाफ हैं विपक्षी दल : डॉ रंगा

रोहतक। महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देकर लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में लाया गया महिला आरक्षण संशोधन विधेयक संसद में पारित न हो पाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्षी दलों के असहयोग के कारण यह ऐतिहासिक अवसर रुक गया, जिससे महिलाओं के साथ-साथ

अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के बढ़ते प्रतिनिधित्व पर भी विराम लग गया। डॉ. अशोक कुमार रंगा ने कहा कि वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी मात्र लगभग 14 प्रतिशत है। प्रस्ताव था कि लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर लगभग 816 किया जाए।

कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने के लिए आंदोलन की घोषणा: देवेन्द्र हुड्डा

- उच्च न्यायालय व सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद कर्मचारियों को नहीं किया जा रहा पक्का

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणा में कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने की मांग को लेकर सर्व कर्मचारी संघ ने आंदोलन की घोषणा कर दी है। कर्मचारी भवन में आयोजित राज्य कार्यकारिणी बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता राज्य प्रधान सुरेश राठी ने की, जबकि संचालन महासचिव राजेंद्र राणा ने किया। यूनियन के चेयरमैन देवेन्द्र सिंह हुड्डा ने कहा कि लंबे समय से कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार और निगम प्रबंधन की ओर से कोई ठोस समाधान नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद कर्मचारियों को नियमित नहीं किया जा रहा। बैठक में निर्णय लिया गया कि बिजली के कच्चे व पक्के कर्मचारी 20 मई को बिजली मंत्री अनिल विज के कैम्प कार्यालय अम्बाला में विरोध प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा जाएगा, जिसकी तैयारी में पूरे प्रदेश का बिजली कर्मचारी 21-22 अप्रैल को यूनिट कार्यकारिणी मीटिंग करते हुए आगामी आन्दोलन की रणनीति बनाएंगे। 23 अप्रैल से पूरे प्रदेश में यूनिटों सब यूनिटों पर गैट मीटिंग करेंगे व तमाम कर्मचारियों के हस्ताक्षर युक्त फ़ार्म भरवाकर भेजेंगे। 16 मई को राज्य कमेटी की मीटिंग की जाएगी।

रोहतक। आयोजित बैठक को सम्बोधित करते आल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन के चैयरमेन देवेन्द्र सिंह हुड्डा। फोटो: हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

मीटिंग को संदीप सहारण, सुदामपाल मान, सरोज कुमारी, लोकेश कुमार, जगमिंदर पुनिया, सुबेसिंह कादियान, राजेश सांगवान, संजय सैनी, धर्मराज कूंडू, मनीष मलिक, मनजिंदर सीढा, सतीश मान, संजीव ढांडा, धर्मबीर भाटी, सतीश जांगड़ा, विकास दहिया, रविंद्र दलाल, दलीप सोनी आदि शामिल हुए व विचार रखे।

निरंतर अभ्यास व अनुशासन दिलाता है व्यक्ति को जीवन में सफलता : शर्मा

सांपला। रविवार को अक्षय तृतीया पर हसनगढ़ दिल्ली इंटरनेशनल स्कूल में समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि क्रिकेट कोच राजकुमार शर्मा दिल्ली पुलिस आयुक्त विजय सिंह व विजय वोरा रहे। उन्होंने खेल ग्राउंड का उद्घाटन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन और सकारात्मक सोच व्यक्ति को जीवन में सफलता के सीढ़ी पर ले जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ खेलों के लिए भी प्रेरित किया। वही स्कूल की तरफ से दसवीं कक्षा में मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों और खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया।

कवि कॉर्नर

कविता | कियांश जुनेजा

मेरा संकल्प

जुलाई की तीस तारीख थी,
वर्ष दो हजार सोलह का,
नन्हीं आंखों में सपना था,
उज्ज्वल भविष्य के लेखा का।
जहां लोग घबराते थे,
उन चमकते औजारों से,
मैंने दोस्ती कर ली थी,
उन सौ अनजाने संसारों से।

डर को मैंने हराया था,
जिज्ञासा को अपनाया था,
ज्ञान की उस रोशनी ने,
जीवन पथ को सजाया था।'
इंडिया बुक' में नाम लिखा,
'एशिया बुक' ने सम्मान दिया,
मेहनत के हर एक पल ने,
मुझे नई पहचान दिया।

पर केवल रिकॉर्ड बनाना,
मेरा मकसद नहीं बना,
हर भारतवासी स्वस्थ रहे
यही दिल का है सपना।
मुस्कान हर चेहरे पर हो,
यही मेरी चाहत है,
स्वस्थ जीवन की ज्योति ही,
मेरे मन की इबादत है।

स्कूल-स्कूल मैं जाता हूँ,
जागरूकता का दीप लिए,
एनजीओ संग कदम बढ़ाकर,
सेवा का संकल्प लिए।
हर बच्चे को समझाता हूँ,
सेहत का सच्चा खजाना,
दो मिनट की सही ब्रशिंग से,
रोगों को दूर भगाना।

देश सेवा ही धर्म मेरा,
यही मेरा अभिमान है,
भारत माँ की सेवा में,
समर्पित मेरा प्राण है।
मुस्कान बने पहचान हमारी,
सेहत हमारी ताकत हो,
हर कर्म में बस देश बसे,
ऐसी मेरी चाहत हो।

रिकॉर्ड तो बस पहला कदम,
अभी बहुत आगे जाना है,
स्वच्छ और स्वस्थ भारत का,
सपना सच कर दिखाना है।
छोटा हूँ पर हौसला बड़ा,
यही मेरा अरमान है,
हर बच्चे की सच्ची हँसी ही,
मेरी असली पहचान है।

परशुराम जयंती पर उनके आदर्शों पर चलने का किया आह्वान

रोहतक। सेक्टर-दो स्थित भगवान परशुराम मंदिर में रविवार को भगवान परशुराम जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), जिला रोहतक के कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय के नेतृत्व में मंदिर पहुंचकर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। वेद प्रकाश पांडेय ने कहा कि भगवान परशुराम न्याय, धर्म और शौर्य के प्रतीक हैं। उन्होंने जीवनभर अन्याय और अधर्म के खिलाफ संघर्ष कर समाज को सही दिशा दिखाई। उनके आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं और युवाओं के लिए मार्गदर्शक का कार्य करते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे परशुराम जी के जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में फैली कुरीतियों और बुराइयों के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हों।

लोकगीतों व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दिया नारी शक्ति वंदन का संदेश

रोहतक। जिला में नारी सशक्तिकरण की गूंज इन दिनों लोक गीतों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए गांव-गांव तक पहुंच रही है। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा चलाए जा रहे प्रचार अभियान के तहत नारी शक्ति वंदन अधिनियम के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक विभागीय कलाकारों और सूचीबद्ध भजन पार्टियों ने 15 गांवों और वार्डों में कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। लोकगीतों की लय पर सजे इन कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं।गुप्ता ने कहा कि यह अभियान 28 अप्रैल तक जारी रहेगा। इसके तहत पांच भजन मंडलियां प्रतिदिन अलग-अलग गांवों और वार्डों में पहुंचकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दे रही हैं। अभियान के दौरान अजायब, निंगाना, रूडकी, चिड़ी, भराण, आंवल, पोलंगी, नांदल, खरकड़ा, गढ़ी पटवापुर, मुंगाण, इंद्रगढ़ सहित वार्ड नंबर 6, 8 और 10 में कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

श्रीबालाजी धाम डोभ में भव्य संकीर्तन

रोहतक। भिवानी रोड स्थित श्रीबालाजी धाम, डोभ में रविवार को भव्य संकीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान 85वीं पैदल ध्वजा यात्रा भी धाम पर पहुंची, जहां भक्तों ने जयकारों के साथ अपनी आस्था प्रकट की। संस्थान के संस्थापक प्रधान पुरुषोत्तम दास बंसल ने बताया कि हर रविवार यहां संकीर्तन, भंडारा और निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर में आंख, दांत, फिजियोथेरेपी, मेडिसिन और देशी वैद्य द्वारा जांच की गई तथा जरूरतमंदों को दवाइयां व चश्मे मुफ्त वितरित किए गए। भंडारे में पूरी-सब्जी का प्रसाद इंद्रजीत भगत द्वारा तथा कढ़ी-चावल का प्रसाद पवन चोपड़ा द्वारा लगाया गया। संकीर्तन में दीपिका, पूनम सेन और अमित कौशिक ने भजनों के माध्यम से भक्तों को भावविभोर कर दिया, जबकि रिंकू महादेव ने आकर्षक झांकियां प्रस्तुत कीं। ध्वजा यात्रा श्रीदुर्गा भवन मंदिर, भिवानी स्टैंड से सुबह 9 बजे शुरू होकर विभिन्न पड़ावों से होते हुए धाम पहुंची। श्रद्धालुओं के लिए वापसी हेतु निशुल्क ऑटो की व्यवस्था भी की गई। इस अवसर पर हर्षित कोचर, नवीन तनेजा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कुछ हटकर

बीटेक सीएसई-एआई-एमएल के बाद करियर की भरें उड़ान

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बी.टेक (कंप्यूटर साइंस – ए.आई. एंड एम.एल.) एक चार वर्षीय आधुनिक स्नातक कार्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों की गहन समझ प्रदान करता है। विद्यार्थी पाइथन प्रोग्रामिंग, डाटा स्ट्रक्चर, अल्गोरिथ्म्स, डीप लर्निंग, न्यूरल नेटवर्क्स, डाटा साइंस, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, और कंप्यूटर विज़न जैसे विषयों का व्यावहारिक अध्ययन करते हैं। इसका उद्देश्य केवल कोडिंग सिखाना नहीं है, बल्कि उन्हें इंटेलीजेंट सिस्टम्स और ऑटोमेशन के विकास में सक्षम बनाना है। ए.आई. -ड्रिवेन ऍप्लिकेशन्स, डाटा एनालिटिक्स, रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

उच्च शिक्षा के मौके

यह एक ऐसा कोर्स है जो विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी क्रांति का हिस्सा बनाता है। यह क्षेत्र केवल इंजीनियरिंग नहीं, बल्कि इनोवेशन और ऑटोमेशन का संगम है। सही कौशल, मार्गदर्शन और निरंतर अपडेट के साथ विद्यार्थी इस क्षेत्र में देश और विदेश दोनों में उत्कृष्ट करियर बना सकते हैं।

प्रमुख विशेषज्ञताएं

ए.आई. और एम.एल. के अंतर्गत अनेक शाखाएँ हैं जिनसे विद्यार्थी भविष्य की तकनीक में अपनी विशेषज्ञता स्थापित कर सकते हैं

- एआई इंजीनियरिंग
- मशीन लर्निंग व डाटा एनालिटिक्स
- डीप लर्निंग एंड न्यूरल नेटवर्क्स
- नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
- रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन
- कंप्यूटर विज़न एंड इमेज रिकग्निशन, प्रेडिक्टिव मॉडलिंग एंड डाटा माइनिंग

आवश्यक कौशल

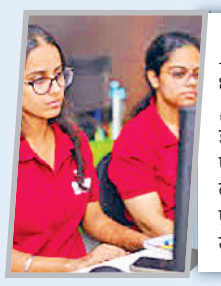

छात्रों में निम्नलिखित क्षमताएं आवश्यक हैं ,लॉजिकल थिंकिंग और एनालिटिकल स्किल्स, डाटा मॉडलिंग और स्टेटिस्टिक्स की समझ, पाइथन या जावा जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेजेज में दक्षता, मशीन लर्निंग लाइब्रेरीज का ज्ञान, प्रॉब्लम सॉल्विंग और रिसर्च ओरिएंटेशन के माध्यम से भूमिका निभा सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

हर उद्योग चाहे वह हेल्थकेयर हो, फाइनेंस, एजुकेशन या ई-कॉमर्स — अब ए.आई. सोलूशन्स की ओर अग्रसर है। जैसे आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, ,डाटा साइंस और एनालिटिक्स, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स, क्लाउडऔर ए.आई. इंटीग्रेशन

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में ए.आई. & एम.एल. स्नातकों की प्रारंभिक आय लगभग ₹6 से ₹10 लाख वार्षिक होती है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह ₹20 से ₹30 लाख वार्षिक तक पहुँच सकती है।सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी कंप्यूटर साइंस स्नातकों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी क्षेत्र में भी ए.आई. और डाटा एनालिटिक्स की भूमिका अब अत्यधिक बढ़ गई है। कई विभाग और अनुसंधान संस्थान ऑटोमेशन , साइबर सिक्योरिटी, डिफेन्स रिसर्च और इ -गवर्नेंस परियोजनाओं में ए.आई. विशेषज्ञों को नियुक्त कर रहे हैं।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक के बीच होता है, जबकि अनुभव और शोध अनुभव के साथ यह ₹15 लाख या उससे अधिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

उपलब्धि | 50वें स्थापना दिवस पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय का बड़ा विजन

डिस्टिंग्विश्ड लेक्चर सीरीज 2026 की घोषणा, विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के साथ नई उड़ान

छात्र हित, शोध, नवाचार व सामाजिक समावेशन पर रहेगा फोकस : कुलपति

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) के 50वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. मिलाप पूनियाँ ने विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि यह केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि गौरवशाली उपलब्धियों और भविष्य के संकल्पों का प्रतीक है।

19 अप्रैल 1976 को स्थापित एमडीयू ने पांच दशकों में देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। कुलपति ने कहा कि एमडीयू आज शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित संस्थान बन चुका है। विश्वविद्यालय को शिक्षा मंत्रालय की एनआईआरएफ रैंकिंग में शीर्ष 100 में स्थान मिला है और वर्ष 2019 में नैक द्वारा ए प्लस ग्रेड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही 2020 में ग्रीन मेंटर संस्थान और 2018 में देश के सबसे स्वच्छ विश्वविद्यालय परिसरों में शामिल होना इसकी बड़ी उपलब्धियां हैं।

प्रो. पूनिया ने स्वामी दयानंद सरस्वती के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि सोच और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने सर छोटूराम की प्रेरणादायी विरासत को याद करते हुए युवाओं को शिक्षा के माध्यम से समाज निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एमडीयू के लिए नए अवसर लेकर आई है। विश्वविद्यालय बहुविषयक शिक्षा, नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देते हुए 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगा। इसके तहत गुणवत्तापूर्ण शोध, समावेशी वातावरण, वैश्विक मूल्यों के अनुरूप व्यक्तित्व विकास और शिक्षकों के पेशेवर विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

महिला सशक्तिकरण को दी जाएगी प्राथमिकता

कुलपति ने बताया कि आने वाले समय में छात्र कल्याण, जेंडर सेंसिटाइजेशन, नशा मुक्ति अभियान, सामाजिक समावेशन, मानसिक स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण से जुड़े कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस मौके पर प्रो. पूनियाँ ने एमडीयू डिस्टिंग्विश्ड लेक्चर सीरीज 2026 शुरू करने की घोषणा की, जिसमें देश-विदेश के ख्याति प्राप्त विद्वान और विशेषज्ञ समसामयिक विषयों पर व्याख्यान देंगे। साथ ही भविष्य में स्थापना दिवस पर विशेष लेक्चर कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

- सर छोटूराम की प्रेरणादायी विरासत को याद करते हुए युवाओं को समाज निर्माण में योगदान देने का आह्वान

कुलपति प्रो. मिलाप पूनिया।

अधिकारियों को कई बार अवगत करवाने के बावजूद नहीं हुआ समस्या का समाधान

पेयजल लाइन लीकेज से पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में सड़क धंसी, व्यर्थ बह रहा पानी

चार दिन से समस्या बरकरार, लोगों को नहीं मिल रहा पीने का पानी; विभागीय अधिकारियों पर लापरवाही के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। गड्ढे में कपड़ा बांधकर लगाया गया डंडा दिखाते समाजसेवी जसबीर कुमार और पाइपलाइन लीकेज के कारण व्यर्थ में बहता पानी। फोटो : हरिभूमि

वार्ड नंबर 20 स्थित पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में बुनियादी सुविधाओं की अनदेखी का गंभीर मामला सामने आया है। यहां मार्केट की मुख्य सड़क अचानक धंस गई है, जिससे क्षेत्र में भय और असुविधा का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों के अनुसार सड़क धंसने का मुख्य कारण पीने के पानी की मुख्य पाइपलाइन में लगातार हो रही लीकेज है, जो पिछले चार दिनों से जारी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि पाइपलाइन लीकेज की सूचना कई बार जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का आरोप है कि अधिकारी फोन तक उठाना जरूरी नहीं समझ रहे, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ गई है।

इस लापरवाही के कारण न केवल सड़क क्षतिग्रस्त हो रही है, बल्कि हजारों लीटर पेयजल भी व्यर्थ बह रहा है। स्थिति यह है कि जहां एक ओर कॉलोनी के कई घरों में पीने के पानी की किल्लत बनी हुई है, वहीं दूसरी ओर वही पानी सड़कों पर बहकर बर्बाद हो रहा है। हर रोज सुबह करीब 5 बजे पानी की सप्लाई आती है, लेकिन लीकेज के चलते पर्याप्त पानी घरों तक नहीं पहुंच पा रहा। इससे लोगों को पीने के पानी के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। सड़क लगभग चार फीट तक अंदर धंस चुकी है, जिससे बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है। खासकर रात के समय यह गड्ढा और अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। प्रशासन की ओर से अब तक कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए हैं।

समाजसेवी जसबीर ने डंडा लगाकर बांधा कपड़ा

इस बीच समाजसेवी जसबीर कुमार ने मानवता का परिचय देते हुए अपने स्तर पर पहल की है। उन्होंने गड्ढे के पास एक डंडा गाड़कर उस पर कपड़ा बांध दिया है, ताकि राहगीरों को खतरे के बारे में पहले से चेतावनी मिल सके और कोई दुर्घटना न हो। स्थानीय लोगों ने उनकी इस पहल की सराहना की है, लेकिन साथ ही प्रशासन से जल्द स्थायी समाधान की मांग भी की है।

जल्द समाधान न किया तो करेंगे विरोध प्रदर्शन

क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे मजबूर होकर संबंधित विभाग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। लोगों की मांग है कि पाइपलाइन की तुरंत मरम्मत कराई जाए और सड़क को दुरुस्त किया जाए, ताकि क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल हो सके।

▶▶ चार फुट गहरे गड्ढे से रात को और बढ़ जाता है हादसे का खतरा

कार्रवाई की जाएगी

अगर इस तरह की कोई समस्या है तो उसको तुरंत ठीक करवाया जाएगा। अगर शिकायत हमें मिली है और उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है तो उसकी जांच करवाकर कार्रवाई की जाएगी। ऐसे पानी की बर्बादी नहीं होने दी जाएगी।

-शिवराज सिंह, अधीक्षण अभियंता, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग

राज्यस्तरीय अंडर-17 कुश्ती स्पर्धा में दीक्षा और विनाक्षी रहीं अव्वल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्टेट अंडर-17 कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को किया गया। प्रतियोगिता के मुकाबले रोहतक और झज्जर में खेले गए। 43 में दीक्षा झज्जर प्रथम स्थान पर रहीं, चेष्टा रोहतक द्वितीय, और आरुषि रोहतक व दीपांशी सोनीपत को तृतीय स्थान मिला। 46 में विनाक्षी रोहतक ने पहला, तनिष्का सोनीपत ने दूसरा, जबकि अन्नू रोहतक और स्वाति रोहतक ने तीसरा स्थान हासिल किया। इंद्रदेव रेसलिंग अकादमी गांव बोहर में प्रतियोगिता का शुभारंभ हरियाणा कुश्ती संघ अध्यक्ष रमेश बोहर ने किया।

कोच मनदीप ने बताया कि 40 किलोग्राम भारवर्ग में तानिया झज्जर ने प्रथम, गोरन सिरसा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 49 में निकिता सोनीपत प्रथम रहीं, किरण पलवल द्वितीय स्थान पर रहीं। 53 में निशा झज्जर ने प्रथम स्थान हासिल किया, साक्षी झज्जर दूसरे स्थान पर रहीं। 57 में साक्षी सोनीपत विजेता बनीं, नम्रता हिसार द्वितीय स्थान पाया। 61 में मनीषा पलवल ने प्रथम, समीक्षा झज्जर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 65 में अंतरा हिसार प्रथम रहीं, हर्षिता रानी रोहतक द्वितीय स्थान पर रहीं। 69 में तानिया जींद ने प्रथम स्थान पाया, कीर्ति झज्जर द्वितीय रही। 73 में गरिमा हिसार ने स्वर्ण जीता, कीर्ति पानीपत ने रजत, और दिव्या रोहतक व विनीता सोनीपत को कांस्य पदक मिला।

ग्रीको-रोमन कुश्ती: 45 किलोग्राम भारवर्ग में सुमित कुमार फतेहाबाद प्रथम, मोहित कुमार सोनीपत द्वितीय रहे। 48 में मोनू रोहतक ने प्रथम, अर्जुन जींद ने द्वितीय स्थान पाया। 51 में अंकित जींद विजेता रहे, लक्ष्य रोहतक दूसरे व योगेश रोहतक तीसरे स्थान पर रहे। 55 में परियास धौंचक पानीपत प्रथम, अंशु रोहतक द्वितीय रहे।

60 में अर्जुन सिंह सोनीपत ने प्रथम, हैप्पी भिवानी ने द्वितीय स्थान हासिल किया। 65 में सत्यम सिरसा प्रथम रहे, अनुज सोनीपत को द्वितीय स्थान मिला। 71 में पुष्पेंद्र सोनीपत ने स्वर्ण जीता, दीपेंद्र रोहतक ने रजत पदक जीता।

80 में राहुल झज्जर प्रथम, जतिन मलिक सोनीपत द्वितीय स्थान पर रहे। 92 में प्रन्शित अहलावत रोहतक ने प्रथम व अंशु भिवानी द्वितीय रहे। 110 में प्रियांशु सोनीपत विजेता बने, जतिन दलाल झज्जर दूसरे स्थान पर रहे।

झुका बिजली का खंभा बना खतरा समाधान न होने पर लोगों में रोष

रोहतक। सेक्टर-2 में वीटा बूथ के पास कई दिनों से झुका हुआ बिजली का खंभा स्थानीय लोगों के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि खंभा इस कदर टेढ़ा हो चुका है कि वह कभी भी गिर सकता है, जिससे बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। इस रास्ते से रोजाना बड़ी संख्या में राहगीर और वाहन गुजरते हैं, ऐसे में स्थिति और भी गंभीर हो गई है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इस संबंध में बिजली निगम को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। निगम की लापरवाही से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि अगर समय रहते खंभे को ठीक नहीं किया गया तो किसी भी दिन बड़ा हादसा हो सकता है, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने बिजली निगम से मांग की है कि तुरंत टीम भेजकर खंभे की मरम्मत कराई जाए, ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके।

इंटर स्कूल योग में एमडीएन, एचडी, जैन व नवजोत स्कूलों का दबदबा

रोहतक। भैयापुर लाढौत स्थित नवयुग शिक्षा निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित अंतर-विद्यालय योग प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी शारीरिक एवं मानसिक क्षमता का विकास करना रहा। इसमें एमडीएन पब्लिक स्कूल, एच डी पब्लिक स्कूल बहु अकबरपुर, जैन पब्लिक स्कूल माता दरवाजा तथा नवजोत पब्लिक स्कूल काहनी के खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। प्रतियोगिता का शुभारंभ स्कूल के डायरेक्टर सुरेश चंद्र देशवाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रतियोगिता में लड़कियों में ऋषिका (संस्कार वैली स्कूल पटवापुर की छात्रा) को बेस्ट प्लेयर ऑफ रोहतक के खिताब से सम्मानित किया गया, जबकि लड़कों में अभिनव एमडीएन पब्लिक स्कूल के छात्र) को ओवरऑल उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बेस्ट प्लेयर ऑफ रोहतक घोषित किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा विभाग हरियाणा में डीपीई पद पर कार्यरत अनिल धनखड़ (ओलंपियन एवं वर्ल्ड नंबर वन बॉक्सर अमित पंघाल के कोच) उपस्थित रहे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में रोहतक शारीरिक शिक्षक संघ के प्रधान विकास डीपी तथा सूबेदार (सेवानिवृत्त) एवं आर्मी की योग टीम के कोच रहे रणवीर हुड्डा विशेष रूप से मौजूद रहे।

आर्थिक रूप से कमजोर 135 छात्र-छात्राओं का किया चयन

रोहतक। माता धनपति देवी चैरिटेबल ट्रस्ट में वर्ष 2026-27 के लिए निशुल्क शिक्षा हेतु कक्षा तीसरी से कक्षा दसवीं तक के छात्र-छात्राओं के लिए प्रवेश परीक्षा फाइनल परिणाम घोषित किया गया। मीडिया प्रभारी राजीव जैन ने बताया फाइनल परीक्षा परिणाम चयन समिति के चैयरमैन दिनेश जैन की देखरेख में 135 छात्र-छात्राओं का चयन किया है। चयन समिति के अन्य सदस्य पवन गोयल, सुरेश तायल, दिनेश गर्ग व दिनेश गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर सफल छात्र-छात्राओं को । एडवोकेट नवीन गुप्ता ने शपथ दिलवाई। शपथ समारोह में गोविन्द राम सिंगल, कुलदीप मित्तल, रेणु जाखोदा, संजय चावला, सतीश ठेकेदार, अजेश गुप्ता हरि प्रकश गुप्ता, कविता जांगड़ा उपस्थित रहे।

भारतीय संस्कृति और धर्म के महान प्रतीक हैं भगवान परशुराम : मोहन लाल

सांपला। कालिदास आश्रम में रविवार को भगवान परशुराम के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर एक भव्य एवं गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया और भगवान परशुराम के जीवन, आदर्शों व योगदान को याद किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भगवान परशुराम भारतीय संस्कृति और धर्म के महान प्रतीक हैं, जिनका जीवन त्याग, तपस्या और धर्म की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन हमें अन्याय और अधर्म के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। श्री बड़ौली ने कहा कि भगवान परशुराम के विचार और आदर्श सभी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा कि उनके बताए मार्ग पर चलकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम केवल एक समुदाय के नहीं, बल्कि समस्त समाज के आराध्य हैं। समाज में सत्य, न्याय और धर्म की स्थापना के लिए हमें उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि युवा वर्ग भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह के सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों का उद्देश्य नई पीढ़ी को महान व्यक्तित्वों के जीवन और उनके विचारों से अवगत कराना है, ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सके। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और समाज में एकता एवं भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

खबर संक्षेप

पीएम नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन को मातृशक्ति के साथ सुना

रोहतक। लोकसभा में महिलाओं के आरक्षण जैसे ऐतिहासिक बिल का कांग्रेस व विपक्ष द्वारा किया गया विरोध उनकी नारी सशक्तिकरण के प्रति असंवेदनशीलता को दर्शाता है। यह रुख मातृशक्ति को उनके अधिकारों से वंचित करने के साथ-साथ उन्हें अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने और देश में सशक्त पहचान बनाने के अवसरों को सीमित करने का प्रयास प्रतीत होता है। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी ने सदैव मातृशक्ति को सम्मान, अधिकार और नेतृत्व के अवसर प्रदान करने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में मातृशक्ति को उनका अधिकार दिलाने का दृढ़ संकल्प दोहराया और महिलाओं को राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया

रोहतक। रुपया चौक झज्जर बाईपास जय मां गायत्री यज्ञ शाला पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव हवन में भंडारे के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी डा. परमानंद मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे और उन्होंने अपना वक्तव्य समाज सेवा के लिए दिया भगवान परशुराम को नमन करते हुए सभी को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सर्वजातीय भगवान परशुराम सेवा संघ द्वारा हवन किया गया प्रधान बी एस कौशिक, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश भारद्वाज नरेंद्र खट्टर, ललित शर्मा जमदग्नि, जय भगवान पाराशर जयपाल शर्मा, जितेंद्र अत्रि रविंद्र कौशिक, ताराचंद सतीश सुनेजा,कुलदीप शर्मा आदि सैकड़ो व्यक्तियों ने पहुंचकर औषधि युक्त सामग्री से हवन में आहुतियां दी और सभी के लिए मंगल कामना की। इस प्रकार सबसे पहले भगवान परशुराम के चरणों में दीप प्रज्वलित कर पुष्प माला अर्पित की और विचार व्यक्त किए।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना उद्देश्य

रोहतक। सनसिटी सेक्टर 36 स्थित जी.डी. गोयनका स्कूल में हाइजीन एंड क्लीनिनेस वीक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विद्यालय प्राचार्या मधुबाला ने बताया कि इस विशेष सप्ताह का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। शिक्षकों द्वारा हैंडवॉश एक्टिविटी के माध्यम से सही तरीके से हाथ धोने की प्रक्रिया सिखाई गई। इसके अतिरिक्त ब्रशिंग एक्टिविटी आयोजित की गई, जिसमें दाँतों की स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों द्वारा हाइजीन और क्लीनलीनेस पर क्विज का आयोजन भी किया गया।

गुरुद्वारा टिकाना साहिब में नई इमारत के पहले लेंटर की सेवा शुरू

रोहतक। गुरुद्वारा टिकाना साहिब में गुरु घर की नई विशाल इमारत के निर्माण कार्य को लेकर महत्वपूर्ण चरण की शुरुआत हुई। गद्दी नशीन महंत दिलबाग सिंह (सेवापंथी) ने संगतों की हाजिरी में अरदास कर भवन के पहले लेंटर की सेवा का शुभारंभ करवाया। अरदास के बाद मिष्ठान प्रसाद वितरित किया गया और "सतनाम वाहेगुरु" के जयकारों के बीच संगतों ने अपने हाथों से लेंटर डालने की सेवा निभाई। इस दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में संगत गुरु घर पहुंची। महंत दिलबाग सिंह ने कहा कि यह नई इमारत संगतों की सेवा और सहयोग से तैयार हो रही है, जो भविष्य में धार्मिक गतिविधियों का केंद्र बनेगी।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक व एयू स्मॉल फाइनेंस प्रकरण के बाद अब प्रत्येक सरकारी खाते की निगरानी कड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

चंडीगढ़-पंचकूला में सामने आए बैंकिंग घोटालों के बाद हरियाणा सरकार ने अब वित्तीय अनुशासन को लेकर सख्त रुख अपना लिया है। सरकारी खातों और सावधि जमाओं (एफडी) पर मिलने वाले ब्याज के सत्यापन को लेकर वित्त विभाग ने सभी विभागों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। अब यह प्रक्रिया केवल औपचारिकता नहीं रही, बल्कि इसे सार्वजनिक धन की सुरक्षा से जुड़ा एक अहम कदम माना जा रहा है। विशेष रूप से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक से जुड़े मामलों ने इस जांच को और अधिक संवेदनशील बना दिया है।

वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी सरकारी संस्थान अपने बैंक खातों और एफडी का तत्काल ऑडिट करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि बैंक द्वारा दी गई ब्याज दर वही हो, जो एफडी के समय तय की गई थी। यदि किसी भी खाते में ब्याज कम जमा हुआ पाया जाता है, तो संबंधित बैंक से तुरंत संपर्क कर अंतर राशि की वसूली या समायोजन करवाना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही प्रत्येक एफडी के लिए बैंक से प्रमाण पत्र लेना भी जरूरी कर दिया गया है, जिसमें ब्याज दर और वास्तविक जमा राशि का स्पष्ट विवरण दर्ज हो। दरअसल, चंडीगढ़-पंचकूला में हाल ही में सामने आए मामलों में आरोप लगे थे कि कुछ बैंक खातों में ब्याज की गणना और भुगतान में अनियमितताएं हुईं। यह अनियमितताएं भले ही शुरुआती स्तर पर छोटी लगें, लेकिन लंबे समय में यह बड़ी वित्तीय हानि का कारण बन सकती हैं। यही कारण है कि अब सरकार ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए निगरानी तंत्र को और मजबूत करने का निर्णय लिया है।

दूरभाष परामर्शदात्री समिति ने दिया बीएसएनएल की सेवाएं सुधारने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारत सरकार के दूरसंचार मंत्रालय द्वारा नामित दूरभाष परामर्शदात्री समिति की बैठक बीएसएनएल के महाप्रबंधक इसरार अहमद की अध्यक्षता में हुडा कॉम्प्लेक्स स्थित बीएसएनएल कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत में अधिकारियों ने सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया, जबकि उप-महाप्रबंधक अनार सिंह ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।

उपमंडल अभियंता अंकुर अरोड़ा ने पावर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। महाप्रबंधक इसरार अहमद ने बताया कि रोहतक वाणिज्य क्षेत्र में सेवा गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। नेटवर्क उपलब्धता, एफटीटीएच सेवाओं के विस्तार और शिकायत निवारण में तेजी आई है। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले वित्त वर्ष में रोहतक क्षेत्र ने 77.51 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। इस दौरान 72,078 नए सिम और 6,061 नए एफटीटीएच कनेक्शन जोड़े गए। बैंडविड्थ सुधार के लिए दिल्ली और अंबाला के साथ तीन-तीन नए 10G लिंक भी शुरू किए गए हैं।

कोटा, चंडीगढ़, दिल्ली के बाद अब रोहतक में भी स्पेशल कोचिंग
IIT-JEE | NEET | NDA
6th to 12th Class & Board
ADMISSION OPEN
Get Direct Scholarship For JEE/NEET Courses Based On 10th CBSE Board 2026 Result
DIRECT SCHOLARSHIP

PERCENTAGE	SCHOLARSHIP
Above 95%	100%
85% - 94%	95%
70% - 84%	80%

1 WEEK FREE TRIAL CLASS BEFORE ADMISSION
Day Boarding Classes for 6th to 12th
KOTA CLASSES
144-L Model Town Near CR Polytechnic College, Rohtak M. 97285-44433

आत्मनिर्भरता | परियोजना का पहला चरण पूरा, दूसरे की तैयारी भी शुरू

अब महिलाएं बनेंगी भाली के विकास की धुरी श्री राम सरन दास भयाना ट्रस्ट ने सौंपी बेकरी

■ शानदार पहल करने को तैयार भाली की महिला शक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आत्मनिर्भर गांव, आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए श्री राम सरन दास भयाना ट्रस्ट ने गांव भाली में स्थापित बेकरी को सफलतापूर्वक स्थानीय महिलाओं को सौंप दिया है। इसके साथ ही परियोजना का पहला चरण पूरा हो गया है और अब दूसरे चरण की तैयारी शुरू कर दी गई है। ट्रस्ट द्वारा बेकरी के लिए मशीनरी उपलब्ध कराने, स्थान चयन, महिलाओं को प्रशिक्षण दिलाने से लेकर ऑर्डर दिलवाने तक की पूरी प्रक्रिया पूरी की गई। अब यह बेकरी पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित की जा रही है। बेकरी को कई जगहों से ऑर्डर मिलने भी शुरू हो गए हैं, जिससे महिलाओं में उत्साह है।

मुनाफे का गांव के विकास में होगा उपयोग

ट्रस्ट की योजना के अनुसार बेकरी से होने वाले लाभ को गांव के विकास कार्यों में लगाया जाएगा। इसके लिए महिलाओं की एक कमेटी बनाई जाएगी, जो आय-व्यय का हिसाब रखकर शेष राशि को विकास कार्यों में खर्च करेगी। कर्मचारियों को मार्च माह का वेतन दिया जा चुका है और कच्चे माल की खरीद के लिए कार्यशील पूंजी भी उपलब्ध कराई गई है।

रोजगार के नए अवसर

फिलहाल बेकरी में पांच महिलाएं कार्यरत हैं। ऑर्डर बढ़ने के साथ ही अन्य महिलाओं को भी रोजगार देने की योजना है। आवश्यकता पड़ने पर शिफ्ट के आधार पर काम भी शुरू किया जा सकता है।

फेज-2 में हर घर में बेकरी की योजना

परियोजना के दूसरे चरण में हर घर बेकरी योजना लागू करने की तैयारी है। इसके तहत इच्छुक महिलाओं के घरों में बेकरी मशीनें स्थापित की जाएंगी, जहां वे उत्पाद तैयार करेंगी। इसके बाद उत्पादों को मुख्य बेकरी में लाकर पैकिंग के बाद विभिन्न संस्थानों में सप्लाई किया जाएगा। इस पहल को ग्रामीण आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम माना जा रहा है, जो न केवल महिलाओं को रोजगार देगा बल्कि गांव के समग्र विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

बड़ी उपलब्धि

हमारा उद्देश्य केवल एक बेकरी शुरू करना नहीं था, बल्कि गांव को आत्मनिर्भर बनाने की एक मजबूत नींव रखना था। भाली में बेकरी को महिलाओं को सौंपना हमारे लिए एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि अब यह पूरी तरह उनके हाथों में है और वे इसे आगे बढ़ाएंगी।

-सुमित भयाना, चेयरमैन, श्री राम सरन दास भयाना ट्रस्ट

हाल ही में आयुक्त डॉ आनंद कुमार शर्मा का करनाल का उपायुक्त के रूप में तबादला

निगम आयुक्त के तबादले से थमी शहर में विकास की रफ्तार

हर माह निर्धारित की जाती है हाउस की मीटिंग, एक सप्ताह पहले तैयार करने होते हैं एजेंडे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम में प्रशासनिक फेरबदल और जनप्रतिनिधियों की व्यस्तता के चलते शहर के विकास कार्यों की रफ्तार थमती नजर आ रही है। हाल ही में नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा का तबादला कर उन्हें करनाल का उपायुक्त नियुक्त किया गया है। उनके अचानक निगम से जाने से शहर के विकास कार्य प्रभावित होने लगे हैं। उनके स्थान पर फिलहाल निगम आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार रोहतक डीसी सचिन गुप्ता के पास है। ऐसे में अप्रैल और मई में हाउस की मीटिंग होने की सम्भावना न के बराबर है।

नियमों के अनुसार, नगर निगम की हाउस मीटिंग हर माह आयोजित की जानी होती है, जिसके लिए कम से कम एक सप्ताह पहले एजेंडा तैयार करना अनिवार्य होता है। लेकिन अप्रैल और मई माह में हाउस की बैठक होना मुश्किल नजर आ रहा है। निगम के अधिकांश पार्षदों का कहना है कि प्रशासनिक बदलाव और राजनीतिक व्यस्तताओं के कारण बैठक की तैयारियां समय पर नहीं हो पा रही हैं।

कई लंबित प्रस्तावों पर चर्चा और मंजूरी जरूरी

इधर, मेयर रामअवतार वाल्मीकि भी इन दिनों सांपला चुनाव में सह-प्रभारी की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, जिसके चलते वे निगम कार्यों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे हैं। पार्षदों का कहना है कि कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव लंबित पड़े हैं, जिन पर चर्चा और मंजूरी जरूरी है। नगर निगम के कई विकास कार्य जैसे सड़कों का निर्माण, सफाई व्यवस्था में सुधार, जल निकासी परियोजनाएं और शहरी सौंदर्यीकरण हाउस की मंजूरी के बिना आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इससे आम जनता को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ पार्षदों ने बताया कि यदि जल्द ही नियमित आयुक्त की नियुक्ति नहीं होती और हाउस मीटिंग आयोजित नहीं की जाती, तो विकास कार्य और अधिक प्रभावित होंगे। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द स्थायी आयुक्त की नियुक्ति कर निगम की कार्यप्रणाली को पटरी पर लाया जाए। पार्षदों का कहना है कि इन हालात में प्रशासनिक अस्थिरता और राजनीतिक व्यस्तताओं का असर सीधे तौर पर शहर के विकास पर पड़ता दिख रहा है, जिससे रोहतक के नागरिकों में असंतोष बढ़ने लगा है।

न्यूज डायरी

काठमंठी : शिविर में 215 मरीजों को जांचा

रोहतक। काठमंडी पंचायत द्वारा रविवार को एलपीएस बोसार्ड के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर काठ मंडी में लगाया गया। जिसमें बीपी, शुगर, हड्डी रोग व हड्डी की जांच (बी.एम.डी), स्त्री रोग, दमा/सांस/फेफड़े (पी.एफ.टी) व खून की जांच मैक्स हॉस्पिटल दिल्ली के डॉक्टरों द्वारा की गई। इसके अलावा दंत रोग व आंखों की जांच भी विशेष डॉक्टरों द्वारा की गई। इस स्वास्थ्य केंद्र में करीब 215 व्यक्तियों ने स्वास्थ्य सेवाओं को लाभ उठाया। इस अवसर पर दीपू डरोलिया , पंकज गर्ग, सचिव, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा रमेश भाटिया कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष कौशिक ,गौरव, राज कुमार डरोलिया ,जय भगवान जांगड़ा, नीरज कुमार एवं समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यगण मौजूद रहे।

48 मरीजों ने करवाई फ्री कैंप में जांच

रोहतक। मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से सांघी गांव में बीपी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर पर फ्री कैंप का आयोजन किया गया। जिसके अंदर गांव और आसपास के मरीजों ने आकर अपने हड्डी और जोड़ों के दर्द की जांच करवाई। इस कैंप में गांव और आसपास से कुल 48 मरीज पहुंचे। जिन्हें घुटनों और कमर दर्द से जुड़ी समस्याएं थी। संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि सांघी गांव में हर सप्ताह फ्री कैंप का आयोजन किया जाता है। जिसके अंदर हड्डी और जोड़ों दर्द के मरीज आकर अपनी जांच करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस कैंप का आयोजन शहर के सबसे बड़े समाजसेवी राजेश जैन की देखरेख में किया जाता है। जिन्होंने लगभग 2 साल पहले गांव में इस सेंटर का उद्घाटन किया था।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

थमी रफ्तार जाम का जंजाल

नगर निगम, स्कूल टाइम और आयोजनों की भीड़ ने बढ़ाया दबाव

आंबेडकर चौक पर ट्रिपल अटैक से रेंगती है जिंदगी

- स्कूली बच्चे, कर्मचारी और आम नागरिक सबसे ज्यादा परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर का आंबेडकर चौक इन दिनों ट्रैफिक जाम का स्थायी केंद्र बन गया है, जहां रफ्तार थम सी गई है और लोगों की जिंदगी रेंगने को मजबूर है। चारों दिशाओं से आने वाले वाहनों का दबाव, दफ्तरों की भीड़, स्कूल टाइम की अफरातफरी और कार्यक्रमों की अचानक बढ़ती आवाजाही। ये तीन बड़े कारण मिलकर यहां "ट्रिपल अटैक" की स्थिति पैदा कर रहे हैं। नतीजा यह है कि महज 5 मिनट का सफर तय करने में लोगों को 25 से 30 मिनट तक का समय लग रहा है। सुबह से शाम तक चौक पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं, जिससे स्कूली बच्चे, कर्मचारी और आम नागरिक सबसे ज्यादा परेशान हैं। पार्किंग की अव्यवस्था ने समस्या को और गंभीर बना दिया है। हालात यह हैं कि नगर निगम कार्यालय के सामने ही ट्रैफिक सिस्टम पूरी तरह चरमराया नजर आता है, जो प्रशासनिक व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े करता है।

हरिभूमि सरोकार

पार्किंग अव्यवस्था ने बिगाड़े हालात, लोगों को करनी पड़ रही मशक्कत

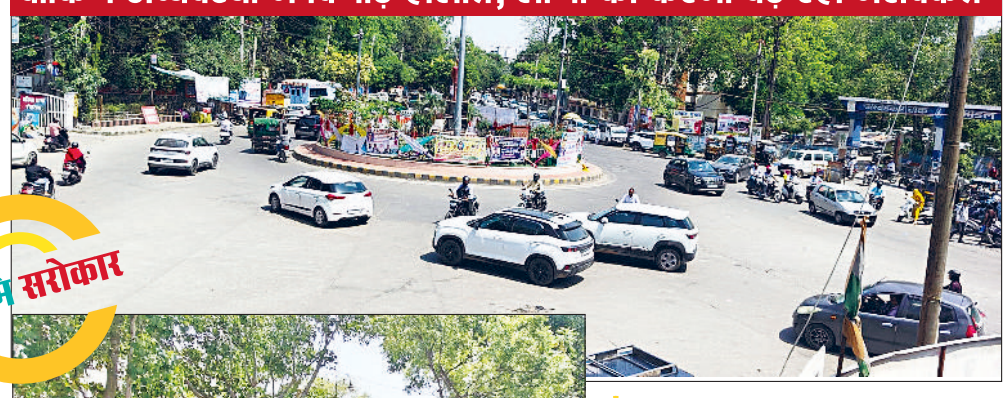

पार्किंग बनी सबसे बड़ी समस्या

जाम की असली जड़ पार्किंग व्यवस्था की कमी को माना जा रहा है। चौक के आसपास आने वाले लोग गाड़ियां सड़क किनारे ही खड़ी कर देते हैं, जिससे रास्ता और संकरा हो जाता है। नगर निगम, जो पूरे शहर में पार्किंग की व्यवस्था करने का दावा करता है, उसके अपने कार्यालय के बाहर ही पार्किंग की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। यह स्थिति लोगों के लिए हैरानी और नाराजगी दोनों का कारण बन रही है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि डीसी ऑफिस में पर्याप्त पार्किंग उपलब्ध है, लेकिन उसका गेट आम लोगों के लिए बंद रखा जाता है। यदि यह पार्किंग खोल दी जाए, तो काफी हद तक ट्रैफिक दबाव कम किया जा सकता है।

- 5 मिनट का सफर तय करने में लगते हैं 25 से 30 मिनट
- सुबह से शाम तक चौक पर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहती हैं

क्यों लगता है जाम

- चारों दिशाओं से एक साथ ट्रैफिक का दबाव
- नगर निगम कार्यालय में रोजाना आने वाली भीड़
- रक्तदान शिविर और अन्य आयोजनों से बढ़ती भीड़
- कांग्रेस भवन में राजनीतिक गतिविधियां
- मॉडल स्कूल के कारण स्कूल टाइम पर भारी ट्रैफिक
- पार्किंग की उचित व्यवस्था का अभाव

स्कूल टाइम बना जाम का पीक ऑवर

आंबेडकर चौक पर सबसे ज्यादा जाम स्कूल टाइम के दौरान देखने को मिलता है। सुबह बच्चों को छोड़ने और दोपहर में लेने के समय अभिभावकों की गाड़ियां सड़क पर ही खड़ी हो जाती हैं। कई बार तो स्कूल बसें भी बीच सड़क में रुक जाती हैं, जिससे पूरी ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि स्कूल के लिए अलग से पार्किंग या ड्रॉप-ऑफ जोन बना दिया जाए, तो इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

नगर निगम की व्यवस्था पर उठे सवाल

नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। शहर में स्मार्ट पार्किंग और ट्रैफिक मैनेजमेंट की योजनाएं कागजों में तो दिखाई देती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती हैं। जिस चौक के पास खुद नगर निगम का कार्यालय है, वहीं इस तरह की अव्यवस्था होना प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। लोगों का कहना है कि यदि नगर निगम अपने कार्यालय के आसपास ही बेहतर व्यवस्था नहीं कर सकता, तो पूरे शहर में सुधार की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

समाधान की जरूरत, नहीं तो हालात और बिगड़ेंगे

आंबेडकर चौक का जाम केवल ट्रैफिक की समस्या नहीं, बल्कि शहर की अव्यवस्थित योजना का आईना बन चुका है। यदि समय रहते पार्किंग और ट्रैफिक मैनेजमेंट पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले दिनों में हालात और गंभीर हो सकते हैं। लोगों की मांग है कि पार्किंग की व्यवस्था सुधारी जाए, डीसी ऑफिस की पार्किंग खोली जाए और स्कूल टाइम के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान बनाया जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इस समस्या को कितनी गंभीरता से लेता है और कब तक आंबेडकर चौक को जाम से राहत दिला पाता है।

यहां-यहां बन सकती है पार्किंग

- एलिवेटेड पुल के नीचे खाली जगह पर विकसित की जा सकती है पार्किंग
- एडीसी ऑफिस परिसर में भी सीमित संख्या में वाहनों को खड़ा किया जा सकता है
- डीसी ऑफिस की मौजूदा पार्किंग का गेट खोलने से राहत मिल सकती है

सवाल : पुलिस और प्रशासन क्या कर रहे?

ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी के बावजूद हालात काबू में नहीं आ पा रहे हैं। कई बार पुलिसकर्मी मौके पर ट्रैफिक को नियंत्रित करते नजर आते हैं, लेकिन स्थायी समाधान के अभाव में समस्या जस की तस बनी हुई है।

ट्रैफिक को लेकर पुलिस गंभीर

बढ़ते ट्रैफिक को लेकर पुलिस गंभीर है। स्कूल टाइम और पीक आवर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जा रहा है। साथ ही, नगर निगम और जिला प्रशासन के साथ मिलकर स्थायी समाधान की दिशा में काम किया जा रहा है। पार्किंग व्यवस्था को सुधारने और अवैध पार्किंग पर सख्ती करने की योजना भी तैयार की जा रही है। -रवि खुडिया, ट्रैफिक डीएसपी

अग्निशमन कर्मियों ने तीन दिन हड़ताल बढ़ाने का किया ऐलान

- आग बुझाते समय शहीद हुए कर्मचारियों के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की सहायता देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को 12वें दिन भी जारी रही। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर चल रहे इस आंदोलन के तहत जिले के सभी दमकल केंद्रों के कर्मचारी मुख्य फायर स्टेशन पर एकत्रित हुए और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। हड़ताल की अध्यक्षता जिला प्रधान सोनू हुड्डा ने की, जबकि मंच संचालन अरुण ढुल ने किया। हड़ताल को विभिन्न कर्मचारी संगठनों का भी समर्थन मिला। सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव मनजीत पांचाल, रिटायर्ड कर्मचारी संघ के प्रधान प्रेम घिलोडिया, नगर निगम इकाई प्रधान शंभू टांक व सचिव राकेश चांवरिया अपने साथियों सहित समर्थन देने पहुंचे। अग्निशमन यूनियन के राज्य प्रधान राजेंद्र सिंह और कार्यकारिणी सदस्य समे राम ने बताया कि 16 फरवरी को फरीदाबाद की कालकाजी स्टील फैक्ट्री में आग बुझाते समय शहीद हुए भविचंद शर्मा और रणवीर सिंह के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की जा रही है। यूनियन ने हड़ताल को 20 से 22 अप्रैल तक तीन दिन और बढ़ाने का ऐलान किया है।

मोटापा, शुगर, बीपी, माइग्रेन जैसी बीमारियों से संबंधित योग आसनों का अभ्यास कराया

रोहतक। गांव रिटौली स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मोटापा, शुगर, बीपी, माइग्रेन जैसी बीमारियों से संबंधित योग आसनों का अभ्यास कराया गया। मंच संचालन व योग अभ्यास का प्रशिक्षण अरुण आर्य ने किया। शिविर में गांव के बुजुर्गों, बच्चों और नौजवानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर जिला पार्षद जयदेव डागर ने कहा योग हमारे जीवन में अनुशासन, संतुलन और स्वास्थ्य लेकर आता है। नियमित योग हमें तनाव मुक्त और ऊर्जा से भरपूर रखता है। सुनील डीपी ने कहा योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि आत्मिक ऊर्जा और मानसिक शांति का स्रोत है। अगर हम रोज़ योग करें, तो जीवन में स्थिरता, संतुलन और नई ऊर्जा का अनुभव करेंगे।" इस अवसर पर माने पहलवान, शहीद भगत सिंह युवा क्लब के आज़ाद, अमित कबड्डी कोच, सचिन साइकिलिंग कोच, बीजे मास्टर और गांव के गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे। अरुण आर्य ने मंच से युवाओं को आह्वान करते हुए कहा अब हर रविवार गांव रिटौली में योग शिविर का आयोजन होगा, ताकि युवा पीढ़ी नशे व बुराइयों से दूर रहकर योग के मार्ग पर आगे बढ़े, स्वस्थ जीवन का लाभ प्राप्त करे और बीमारियों से छुटकारा पाए।

विश्व धरोहर दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के इतिहास एवं पुरातत्व विभाग द्वारा राधाकृष्णन सभागार में विश्व धरोहर दिवस के उपलक्ष्य में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सेवा सिंह दहिया और इतिहास विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जयवीर सिंह धनखड़ ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया और बताया कि विरासत हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है। कार्यक्रम में प्राध्यापक डॉ. विकास पंवार के मार्गदर्शन में आयोजित मृद्भाण्ड प्रदर्शनी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इस प्रदर्शनी में पाषाण काल से लेकर मध्यकाल तक के विभिन्न प्रकार के मिट्टी के बर्तनों को प्रदर्शित किया गया।

साप्ताहिक मंथन में भारतीय विवाह पद्धति पर चर्चा

रोहतक। महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय स्थित श्रीमातुराम यज्ञशाला में साप्ताहिक अग्निहोत्र कार्यक्रम के उपरांत आयोजित "साप्ताहिक मंथन" में भारतीय विवाह पद्धति पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यक्रम में फार्मेसी, अर्थशास्त्र, विधि, संस्कृत, शारीरिक शिक्षा, वाणिज्य, यूआईईटी और आईएचटीएम विभागों के छात्रों ने भाग लिया।चर्चा के दौरान सभी प्रतिभागियों ने एकमत से स्वीकार किया कि वर्तमान समय में भारतीय विवाह पद्धति को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। छात्रों ने चिंता जताई कि बिना विवाह के संबंधों की बढ़ती प्रवृत्ति पारिवारिक मूल्यों को कमजोर कर सकती है। साथ ही यह भी कहा गया कि आजकल होने वाले विवाहों में परंपरागत मर्यादाओं की कमी देखने को मिल रही है और वे दिखावे तक सीमित होते जा रहे हैं।

40 एमएलडी प्लांट बनेगा 60 एमएलडी, नौ गांवों में नई सीवर लाइन, एक माह बाद शुरू होगा निर्माण कार्य

जर्जर सीवर लाइनों को बदलने और नई लाइनें बिछाने के लिए 77 करोड़ रुपये का एस्टीमेट

128 करोड़ की सीवर परियोजनाओं को मिली रफ्तार, एसटीपी अपग्रेड का वर्क ऑर्डर जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सीवर व्यवस्था को मजबूत करने और प्रदूषण नियंत्रण के उद्देश्य से जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा अमृत-2 प्रोजेक्ट के तहत बड़े स्तर पर काम शुरू होने जा रहा है। शहर के 40 एमएलडी क्षमता वाले सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) को अपग्रेड कर 60 एमएलडी किया जाएगा, जिसके लिए 50.98 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए वर्क ऑर्डर भी अलॉट हो चुका है और जल्द ही इसकी ड्राइंग विभाग को सौंप दी जाएगी। ड्राइंग मिलने के लगभग एक माह बाद निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

वर्तमान में शहर का 40 एमएलडी एसटीपी अपफ्लो एनारोबिक कीचड़ कंबल (यूएएसबी) तकनीक पर आधारित है, लेकिन यह नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतर पा रहा। इसकी मुख्य वजह प्लांट में आने वाले सीवर में गोबर और अन्य अपशिष्ट की अधिक मात्रा है, जिससे बायोलॉजिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) और केमिकल ऑक्सीजन डिमांड (सीओडी) का स्तर निर्धारित सीमा से अधिक हो जाता है। वर्तमान में बीओडी 30 एमएल और सीओडी 50 एमएल तक पहुंच रही है, जबकि एनजीटी के नए मानकों के अनुसार यह क्रमश 10 और 30 एमएल होना चाहिए। इसके साथ ही नगर निगम क्षेत्र में शामिल नौ गांव बोहर, बलियाणा, खेड़ी साद, पहरावर, कन्हैली, सुनारिया कलां व खुर्द, अस्थल बोहर और कुताना बस्ती में जर्जर सीवर लाइनों को बदलने और नई लाइनें बिछाने के लिए 77 करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार किया गया है। इस प्रस्ताव को भी जल्द मुख्यालय भेजा जाएगा। दोनों परियोजनाओं पर कुल मिलाकर लगभग 128 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

बायोलॉजिकल न्यूट्रेट रिमूवल तकनीक से संचालित किया जाएगा

इसी समस्या के समाधान के लिए नई डीपीआर तैयार की गई है, जिसके तहत एसटीपी की क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ इसे आधुनिक बायोलॉजिकल न्यूट्रेट रिमूवल तकनीक से संचालित किया जाएगा। इस तकनीक के जरिए सीवर के पानी का बेहतर शोधन संभव होगा और इसे सिंचाई कार्यों में भी उपयोग किया जा सकेगा। एसटीपी के 60 एमएलडी क्षमता तक बढ़ने के बाद शहर की ढाई लाख से अधिक आबादी को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इससे न केवल सीवर ओवरफ्लो और गंदगी की समस्या में कमी आएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी।

ड्राइंग विभाग को सौंपी जाएगी

शहर के 40 एमएलडी क्षमता वाले सीवर ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) को अपग्रेड कर 60 एमएलडी किया जाएगा, जिसके लिए 50.98 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए वर्क ऑर्डर भी अलॉट हो चुका है और जल्द ही इसकी ड्राइंग विभाग को सौंप दी जाएगी।

-शिवराज सिंह, अधीक्षण अभियंता, जनस्वास्थ्य व अभियांत्रिकी विभाग